मानव संसाधन देश की सबसे बड़ी संपत्ति : प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी 12-3-2017

-दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्विद्यालय के पांचवे दीक्षांत समारोह में दिया दीक्षांत भाषण
-कहा आज भी देश के मात्र 11 प्रतिशत विद्यार्थी ही विश्विद्यालय शिक्षा तक पहुंच पा रहे
-दीक्षांत समारोह में 603 विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर, 403 को इंजीनियरिंग विज्ञान प्रबंधन आर्किटेक्चर, 403 को अंग्रेजी में पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री, 47 विभिन्न विषयों में पीएचडी की डिग्री व 34 विश्वविद्यालय मैडल दिए गए

सोनीपत, 12 मार्च। राज्यपाल प्रो. कप्तान सिंह सोलंकी ने कहा कि मानव संसाधन देश की सबसे बड़ी संपत्ति है और यह मानव संसाधन देश के स्कूल, कालेजों और विश्विद्यालयों में पढऩे वाले विद्यार्थी हैं। हम सभी देश के विकास के लिए विद्यार्थियों की तरफ ही देखते हैं। श्री सोलंकी रविवार को दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्विद्यालय मुरथल के पांचवें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि दीक्षांत भाषण के दौरान संबोधित कर रहे थे। दीक्षांत समारोह में 603 विद्यार्थियों को इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर, 403 को इंजीनियरिंग विज्ञान प्रबंधन आर्किटेक्चर, 403 को अंग्रेजी में पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री, 47 विभिन्न विषयों में पीएचडी की डिग्री व 34 विश्वविद्यालय मैडल दिए गए।

उन्होंने कहा कि खनिज, पानी, कृषि जितनी भी चीजें हैं सभी संसाधन हैं लेकिन मानव संसाधन के विकास के बगैर कुछ भी संभव नहीं है। यही वजह है कि आज केंद्र हो प्रदेश की सरकारें सभी मानव संसाधन के विकास के लिए कार्य कर रही हैं। दीक्षांत समारोह में डिग्री लेने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह डिग्रियां तो डाक से भी भिजवाई जा सकती थी लेकिन समारोह आयोजित करने का उद्देश्य आप सभी लोगों से बेहतर देश व समाज के निर्माण का वायदा लेना है। उन्होंने कहा कि हम आपको दीक्षा दे रहे हैं तो दक्षिणा भी चाहिए और यह दक्षिणा आप एक अच्छे नागरिक के तौर पर बेहतर समाज निर्माण कर दे सकते हो।

प्रो. सोलंकी ने कहा कि आज भी मात्र 11 प्रतिशत विद्यार्थी ही विश्विद्यालय की शिक्षा तक पहुंच पाते हैं और आप सभी भाग्यशाली हो कि आपको यह मौका मिला है। उन्होंने विश्विद्यालय को नैक द्वारा ए ग्रेड प्रदान करने पर बधाई देते हुए कहा कि यहां से प्रतिवर्ष 81 प्रतिशत विद्यार्थियों को कैंपस से ही नौकरी मिल रही है यह भी एक बड़ा उदाहरण है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा पिछले दिनों एक ही मिनट में सचिवालय से 22 कालेजों का शुभारंभ करने पर राज्यपाल प्रो. सोलंकी ने कहा कि यह एक बड़ा बदलाव है जब शिक्षा को लेकर इतनी गंभीरता बरती जा रही है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों से जीवन में लक्ष्य तय करने का आह्वान करते हुए कहा कि जिस व्यक्ति का कोई लक्ष्य नहीं होता उसके जीवन का कोई मतलब नहीं होता। इसलिए जीवन में भेदभाव, समर्पण, अनुशासन, गतिशीलता और कर्तव्य परायणता को पूरा करते हुए आगे बढ़ें ताकि एक बेहतरीन समाज का निर्माण किया जा सके।

कार्यक्रम में संबोधित करते हुए प्रदेश की शहरी स्थानीय निकाय, महिला एवं बाल विकास मंत्री कविता जैन ने कहा कि दीक्षांत समारोह में डिग्री लेने वाले विद्यार्थी आज जीवन की नई चुनौती में प्रवेश कर रहे हैं। हम सभी भविष्य निर्माता बन रहे हैं और बस हमें अब यह देखना है कि हम समाज को क्या दे रहे हैं? हमें भविष्य में और भी मुकाम हासिल करने हैं। उन्होंने शिक्षा व तकनीक के क्षेत्र में केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का जिक्र करते हुए कहा कि आज हम देश के विकास के लिए डिजिटल इंडिया और तकनीक की बात कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए पांच नए राजकीय बहुतकनीकी कालेज शुरू किए गए हैं और इन्हें बेहतर संसाधन उपलब्ध करवाने के लिए लघु एवं उद्यम मंत्रालय से समझौता किया गया है। दो नए इंजीनियरिंग कालेज शुरू किए गए हैं और इसी वर्ष आईआईटी सोनीपत और निफ्ट पंचकूला को शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कौशल विकास के लिए अलग विभाग बनाया गया है। प्रदेश के पलवल में भगवान विश्वकर्मा के नाम पर कौशल विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है।

कार्यक्रम में सांसद रमेश कौशिक ने सभी डिग्री लेने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि मुरथल में इंडीनियरिंग कालेज से यूनिवर्सिटी बनाने का फैसला आज सही साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य इस शिक्षण संस्थान को और अधिक ऊंचाई पर लेकर लेकर जाना है।

दीनबंधु छोटूराम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्विद्यालय के उपकुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय से उपाधि प्राप्त करना आपका ध्येय नहीं हो सकता, अपितू यह मंजिल पर पहुंचने के लिए एक माध्यम है जिसे आप अपने व्यक्तिगत और व्यवसायिक जीवन में अपने सपनों को साकार कर सकेंगे। उन्होंने आह्वान किया कि आप युवा शक्ति के रूप में ऊभर कर भारतवर्ष का नाम रोशन करेंगे। भारत तभी उन्नति की तरफ बढ सकता है जब आप भारत की संस्कृति को समझे और उससे जूड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि दस वर्ष पूर्व स्थापित हुआ यह विश्वविद्यालय 273 एकड़ में फैला हुआ है। विश्वविद्यालय के 16 शिक्षण विभागों में इंजीनियरिंग, विज्ञान, प्रबंधन, मानविकी और आर्किटेक्चर के स्नातकस्तर के 7 और 26 स्नातकोत्तर के कोर्स शामिल हैं। विश्वविद्यालय को गत माह ही नैक द्वारा ए ग्रेड़ प्रदान किया गया है। इसके साथ साथ इंजीनियरिंग के 7 पाठयक्रमों को एनबीए द्वारा मान्यता प्रदान की गई है। उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की शैक्षिक परिषद ने डाक्टरेट डिग्री के लिए पंजीकृत होने वाले मेधावी शोधार्थियों को विश्वविद्यालय 15 हजार रूपए मासिक छात्रवृत्ति देने का प्रस्ताव पास किया है। विज्ञान और इंजीनियरिंग के तीन नए पाठ्यक्रम फिजिक्स, कैमिस्ट्री और बायोटेक्नोलॉजी में डुअल डिग्री बीएससी ऑनर्स व एमएससी सत्र 2017-18 से प्रारंभ करने की योजना है।

आईआईटीए बोम्बे की देख रेख में इंजीनियरिंग के इलैक्ट्रोनिक्स विभाग ने रोबोटिक्स लैब प्रारंभ की गई है। इस संबंध में ये अपेक्षित है कि इस विश्वविद्यालय कोए इस क्षेत्र का नोडल सेंटर बनाया जाएगा।

विश्वविद्यालय में शोध को बढावा देने के लिए एक रिसर्च प्रमोशन बोर्ड का गठन किया गया है।

इस अवसर पर विश्विद्यालय के रजिस्ट्रार डा. केपी सिंह, डीएन एकेडमिक डा. वीपी मलिक, परीक्षा नियंत्रक डा. महावीर सिंह, उपायुक्त के मकरंद पांडुरंग, पुलिस अधीक्षक अश्विन शेणवी, एसडीएम निशांत यादव सहित सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

NBANDHU CHHOTU RAM
TY OF SCIENCE & TECHNOLOGY
MURTHAL, SONEPAT (HARYANA)
'A' Grade University Accredited by NAAC
March 12th

DEENBANDHU CHHOTU RAM
VERSITY OF SCIENCE & TECHNOLOGY
FTH
VOCATION
2017

MURTHAL, SONEPAT (HARYANA)